

फर्द अहकाम

घासीलाल बनाम कैलाश

मालय : सहायक कलक्टर, बस्सी

द/प्रार्थना पत्र/गुफतमा नम्बर : प्रार्थना पत्र 147 / 2024


दिनांक आशा
या कार्यावाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

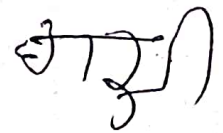
विशेष विवरण

08.2024

इस प्रार्थना पत्र प्रार्थी ने मय शपथ पत्र अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तका अधिनियम 1955 के तहत पेश किया है जो रजिस्ट्रार रजिस्टर होकर पेश हुआ।
प्रार्थी के अधिवक्ता श्री गिरिराज प्रजापत ने उपस्थित होकर बताया कि अप्रार्थीगणों को यदि अविलम्ब व्यादेश से पाबन्द नहीं किया गया तो इस प्रार्थना पत्र का उद्देश्य विफल हो जाएगा अतः अप्रार्थीगणों को बिना आवेदन की सूचना दिए एक पक्षीय सुनवायी का व्यादेश जारी किया जावे। वकील प्रार्थी की एक पक्षीय बहस सुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्टया मामला अर्जेंट प्रकृति का प्रतीत होता है अतः बिना गुणावगुण पर विचार किये न्यायहित में अप्रार्थीगण को जरिये अंतरिम अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वादग्रस्त आराजी भूमि खसरा नं. 85 रकबा 8.6492 हैक्ट. स्थित ग्राम किशनपुरा प.ह. गढ भू.अ.नि. तूंगा तह. तूंगा जिला जयपुर में आगामी तारीख पेशी दिनांक 03.09.2024 तक मौका एवं रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखे एवं काश्त के अतिरिक्त अन्य कार्य नही करें। इस आदेश की प्रति के साथ इस प्रार्थना पत्र व शपथ पत्र की प्रति एवं वादपत्र की प्रति एवं सभी दस्तावेजों की प्रति जरिये रजिस्टर्ड डाक पत्र के अप्रार्थीगणों को नोटिस जारी हो। इस आशय का प्रार्थी आज ही शपथ पत्र पेश करे। पत्रावली पुनः दिनांक 03.09.2024 को पेश हो।


सहायक कलक्टर
बस्सी जिला जयपुर

03/09/24 पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी अधिवक्ता एवं प्रार्थी घासीलाल स्वयं उपस्थित। प्रार्थी ने स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र का वक्त अवसर निषेधाज्ञा को विद्दी किये जाने हेतु पेश किया एवं प्रार्थी ने आदेशिका पर हस्ताक्षर किये जिन्की पहचान प्रार्थी के अधिवक्ता श्री गिरिराज


03/09/24

फर्द अहकाम

घासीलाल बनाम केलरा

नाम न्यायालय : सहायक कलक्टर, बस्सी

राजस्व वाद/प्रार्थना पत्र/मुकदमा नम्बर : 147/2024

आज्ञा विस्तृत रूप से

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	
		<p>सजापत नै की। प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा को विडो करने के आवेश प्रदान करने हेतु निवेदन किया। प्रार्थी को प्रा.पत्र बाबत अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना को विडो किये जाने पर सुना गया। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन करते एवं प्रार्थी की प्रार्थना पत्र पर चुनने के उपरान्त हम पार्ये हैं कि पक्षकारी के मध्य आपस में रजिनाम हो गया है इसलिए प्रार्थना पत्र को आगे जारी नही रखना चाहते हैं अतः न्यायहित में प्रार्थना पत्र बाबत अस्थायी निषेधाज्ञा को विडो करने का स्वीकार किया जाकर प्रा.पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा को विडो करने की अनुमति प्रदान की जाती है। प्रा.पत्र बाबत विडो स्वीकर होने से विडो की अनुमति किये जाने से प्रार्थी को प्रा.पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा का खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद तकमिल दाखिल दफ्तर है।</p> <p style="text-align: right;">लगा</p>